प्रामर्का तेरास्यान किया मी आ केंद्र स्वेतं से मर आया। २वर को लहते में लहते - जीत मेरे दिस ने जाया " मीतमेरे-मिथीणा वादिनी अध्य से हम वाहिनी अध्या। 211 ० रवेत व्यमन की अतिभावें - गर्म में भिष्णों की माला कर्नमा में नीवा सामें - है अनुपम संस्वर-वाका, है अनुपम -- मना निर्मल जीवन पारा दी में भू अरेट मिले करूगा होया- मेपा और-... रिंड्राज ति द्रकेट में वीणा वादिनी इक से हमवाहिनी ।।३।। -- मेर वीणावादिनी की हैरावाहिनी पलगर्का केरा----- इबर्की-हिय अलीकिक देवीकी मूरत - हृदय-पटल में अकित है भी न्यां में शीश मुकाय - भाव में या नहीं नाहिए धन माथा इतहा त्यार मिला है में स्व भूग नहीं नाहिए धन माथा में नीणावादिनी व्या में हैसे वाहिनी व्या था। प्रभाव विद्या विद्या नी विद्या 2-वर्की लाखें ② ज्ञायन वादन स्वतं पर - र्जूज उठी है सहनाई वीणा की मननार तैसे मार्थ - स्वीत्रायों की किर्यों लाई - रवृश्यों की नाम स्वारकी करतें - - स्वार्थ के देश में है पाया द्वार की लहती-मं वीणा वादिनी की हम वाहिनी ।।।।
प्रभाव का तेया ---- स्वर्की --- में वीणा वादिनी में स्विवाहिनी ि। भी वावा भी । इस्ति अञ्चली - में तुंगी ना जाने देका तेरी योक्ति महान है माता - ना तुमका पहिचान के का -- मेया ना तुमका - ।।। हिर्जनी में में की पाया हैं येम ने नीर की हैं लेका या यन्वर की लखीं मी वीणावादिन डा में देन वाहिनी डाइ प्रसम्बन्द की तैरा ह्यान किया में 555 के देवरी की भर आया दवर की लहा में लहा के न जीत मेरे दिल ने जाया म् वीषावादिन इग्या हमवाहिनी इग्या हा।